विषय विशेषज्ञ

1. डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, (डी.लिट्.)
   अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज गाजीपुर (उत्तरप्रदेश)
2. प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार,
   अध्यक्ष हिन्दी विभाग, सेठ फूलचंद बागला पीजी कॉलेज, हाथरस (उत्तरप्रदेश)
3. प्रो. राजन यादव,
   विभागाध्यक्ष हिन्दी एवं अधिष्ठाता दृश्य संकाय इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)
4. श्रीमती सरला शर्मा,
   साहित्यकार दुर्ग, जिला–दुर्ग (छ.ग.)

परामर्श समिति

1. प्रो. रामनारायण पटेल, दिल्ली
2. डॉ. सुधीर शर्मा, रायपुर
3. डॉ. अनिल ठाकुर, खगरिया बिहार
4. डॉ. हरिसिंह पाल, नई दिल्ली
5. डॉ. प्रभु चौधरी, उज्जैन
6. डॉ. अनुराग सिंह चौहान, बिकानेर
7. डॉ. नागेश्वर सिंह, रांची
8. डॉ. मृदुला शुक्ला, खैरागढ़
9. डॉ. हरिशंकर दुबे, जबलपुर
10. डॉ. राजेन्द्रशाह, मुजफ्फरपुर, बिहार
11. डॉ. शाकीर अहमद, पुणे

आयोजन समिति

1.	श्रीमती करूणा दुबे	8770140123
2.	डॉ. मालती तिवारी	9424240367
3.	डॉ. नीलम अग्रवाल	9926122778
4.	श्री सी.खलखो	8435560662
5.	डॉ. दुर्गावती भारतीय	9826868514
6.	डॉ. ई.पी. चेलक	7489861374
7.	श्री मनीराम धीवर	9826394883
8.	श्री अजय कुमार राजा	8878844400
9.	श्री दिलीप लहरे	7879889564
10.	श्री दिलीप कुमार बढ़ाई	9926111445
11.	पूजा यादव	9340454890

विशेष संपर्क

1	श्री अजय कुमार राजा	8878844400
2	डॉ. अजय कुमार देवांगन	7000800024

शोध पत्र –

संगोष्ठी के विषय से संबंधित किसी भी विषय पर शोध–पत्र आमंत्रित है। शोध–पत्र के लिए अधिकतम शब्द सीमा 3000 एवं शोध सारांश के लिए 500 है। शोध–पत्र एवं सारांश कृतिदेव 010 फोण्ट साईज–14 में होना चाहिए। चयनित शोध–पत्रों को पुस्तक के रूप में (ISBN N0. के साथ) प्रकाशित करने की योजना है। किसी भी शोध–पत्र को गुणवत्ता के आधार पर स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार आयोजन समिति को है।

शोधार्थी अपना शोध–पत्र सारांश दिनाँक – 30.10.2024 तक एवं पूर्ण शोध–पत्र 13.11.2024 तक इस ई–मेल – **Email - nationalseminarmvpg@gmail.com** पर भेज सकते है। संगोष्ठी हेतु आनलाईन पंजीयन अनिवार्य है।

पंजीयन लिंक–
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSc9rU7mlMu10YbAWQEx4eD6Li4JlINharcDXbWttWDMlr2pGQ/viewform

पंजीयन शुल्क

प्राध्यापक/सहा.प्राध्यापक –	800/
अतिथि प्राध्यापक –	600/
शोधार्थी –	500/
विद्यार्थी –	100/

प्रकाशित पुस्तक लेने हेतु अतिरिक्त रू. 500.00 शुल्क देना होगा।

बैंक – Principal, Govt MVPG College Mahasamund
SBI Account Number - 10757274148
IFSC CODE- SBIN0000416
Branch- Mahasamund (C.G.)

नोट – पेमेंट की रसीद डॉ. सीमारानी प्रधान, सहायक प्राध्यापक हिन्दी के वाट्सएप नं. 8839604111 पर प्रेषित करें।
प्रतिभगियो को TA/DA का भुगतान नही किया जायेगा।

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द (छ.ग.)

राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय - संस्कृति के उन्नायक श्रीराम : विविध आयामों के परिप्रेक्ष्य में

दिनाँक – 14.11.2024 (गुरूवार)
उद्घाटन समय– प्रातः 11:00 बजे

संयोजक एवं प्राचार्य
प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल (डी.लिट्)
शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द (छ.ग.)

सचिव
डॉ. सीमारानी प्रधान
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)
मोबो.– 8839604111

सह संयोजक
डॉ. रीता पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक (इतिहास)
मोबा.–9425523369

प्रायोजक – आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)
आयोजक– हिन्दी विभाग
शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द (छ.ग.)

–:: कार्यक्रम स्थल ::–
विवेकानंद सभागार, मुख्य भवन, मचेवा
महासमुन्द (छ.ग.)

मान्यवर ,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि छत्तीसगढ की राजधानी रायपुर के निकट दक्षिण कौशल की राजधानी वर्तमान चन्दखुरी प्रभु राम की माता कौशल्या की जन्म–स्थली है। चन्दखुरी से 50 किमी. दूरी पर स्थित शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द (छ.ग.) में प्रभु श्रीराम पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। शोध संगोष्ठी का विषय "संस्कृति के उन्नायक श्रीराम":विविध आयामों के परिप्रेक्ष्य में" रखा गया है। संगोष्ठी में प्रभु श्रीराम और उनसे संबंधित साहित्य पर प्रभाव विषयक विमर्श किया जायेगा। राम मनुष्यता, समन्वय एवं आल्हादक शक्ति के उत्सव है, वे अन्याय का प्रतिरोध करते हैं, वे निर्बल को संबल देते हैं, वे करूणा को समन्वित कर पुरूषार्थ को आधार बनाते हैं और फिर शक्ति को संजो कर मंगल की दिशा में अग्रसर होते हैं। सच तो यह है कि राम आत्मिक उदारता के चरम क्षणों के विरल संगीत हैं। उनका व्यक्तित्व, समाज, देश ज्ञान, विज्ञान, राजनीति, साहित्य और संस्कृति को किस तरह से प्रभावित करती है इस पर गहन चिंतन–मनन किया जायेगा।

इस आयोजन में आप सभी प्राध्यापक, विद्वतजन, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं राम कथा रसिक सादर आमंत्रित हैं। इस संगोष्ठी में सहभागिता से निःसंदेह आप समृद्ध होंगे। आपकी सहभागिता, उपस्थिति से हमारा उत्साह वर्धन होगा एवं हम गौरवान्वित होंगे।

विषय की प्रासंगिकता

राम समरसता के पर्याय हैं, उनका चरित्र प्रत्येक वर्ग के लिए अनुकरणीय है। छत्तीसगढ़ उनका ननिहाल है। उनका वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ के वन प्रांतरों में बीता। वनवासियो से लेकर सभ्य समाज तक राम पूजनीय है। यही कारण है कि वे न केवल भारतीय जनमानस में अपितु विश्व समुदाय के लिए भी आदर्श हैं।

राम कथा के विमर्श से उनके व्यक्तित्व के सभी पक्ष से युवा परिचित होंगे। इस संगोष्ठी के माध्यम से राम के व्यक्तित्व के सामाजिक, राजनीति, धार्मिक पक्ष उजागर होगें। इस संगोष्ठी का उद्देश्य आज के युवाओं को राम के उदात्त चरित्र से अवगत भी कराना है, जिससे युवाओं को नयी दृष्टि एवं नयी राह मिल सके।

महाविद्यालय एवं नगर का परिचय

छत्तीसगढ़ के पूर्वांचल में स्थित महासमुन्द अपने प्राकृतिक सौंदर्य, उत्सवों, त्यौहारों व मेलों के लिये विख्यात है। महासमुन्द छ.ग. की राजधानी रायपुर से 55 कि.मी. की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग क्र.53 से 20 कि.मी. अंदर स्थित है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित सिरपुर यहाँ से 35 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। बिरकोनी, खल्लारी, घुंचापाली यहाँ के प्रसिद्ध शक्ति केन्द्र है।

सन् 1965 से स्थापित यह महाविद्यालय जिले का अग्रणी महाविद्यालय है। यहाँ वर्तमान में 3469 नियमित विद्यार्थी कला, वाणिज्य, विज्ञान, गणित कम्प्यूटर, योगा, इत्यादि विभिन्न विषयों में शिक्षा प्राप्त करते हैं। यहाँ 02 शोध केन्द्र एवं 12 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एवं 03 डिप्लोमा कोर्स के संचालन के साथ महाविद्यालय का इतिहास हर क्षेत्र में उपलब्धियों से भरा हुआ है। वर्तमान में यह महाविद्यालय अपनी प्रगति के नित नये सोपानों की ओर अग्रसर है.....

विमर्श के विषय

1. भारतीय संस्कृति में सनातन धर्म का स्वरूप
2. सनातन की आत्मा : प्रभु श्रीराम
3. राम काव्य में लोक संवेदना
4. राम काव्य में सामाजिक चेतना
5. वर्तमान में सनातन धर्म : दशा और दिशा
5. भारतीय संस्कृति शिक्षा का केन्द्र
6. धर्म ध्वज के वाहक प्रभु श्रीराम
7. रामायण कालीन धर्म की नींव : प्रभु श्रीराम
8. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सनातन संस्कृति
9. रामायण का ऐतिहासिक एवं दार्शनिक पक्ष
10. राम; भारतीय सभ्यता, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों के प्रतीक
11. रामचरितमानस; शाश्वत जीवन मूल्यों का आकाश दीप
12. सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण काल
13. भारतीय संस्कृति और राम साहित्य
14. वैश्विक चुनौतियाँ एवं सनातन धर्म
15. तुलसी के रामचरितमानस की सामाजिक समरसता
16. राम कथा पर आधारित काव्य
17. गोस्वामी तुलसीदास जी का रचना वैविध्य
18. सनातन धर्म–संस्कृति के संवाहक श्रीराम
19. भारतीय संस्कृति में राम की महिमा
20. वनवासी लोक संस्कृति में राम
21. लोक साहित्य में राम
22. नवरात्रि और रामनवमी का संबंध
23. दुर्गा पर्व में राम कहाँ ?
24. निराला के राम
25. कबीर के राम
26. रामायण काल में नारी की स्थिति
27. केन्द्रीय विषय से संबंधित कोई भी उपशीर्षक